



OKEDIA™
Pavitra

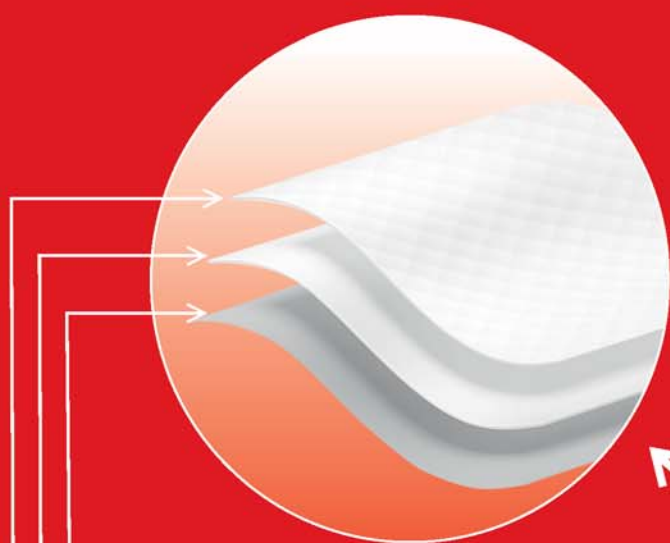
आपका आटा घर कैसे आता है?

पहली बार

आटा, सूजी, दलिया, बेसन में
ट्रिपल लेयर प्रोटेक्शन

**3 LAYER
PACKAGING**

- STRONGEST BARRIER IN THE CATEGORY
- STAYS FRESH WITHOUT PRESERVATIVES
- HANDLES HUMIDITY & TRANSIT



(INNER) PE:
LOCKS IN FRESHNESS & AROMA

(MIDDLE) MET PET:
PREVENTS LIGHTS & AIR

(OUTER) MATT BOPP:
STRENGTH + PREMIUM FINISH



MUST TRY OUR:

शरबती सुपीरियर आटा । देशी चक्की आटा । सूजी । बेसन । गेहूँ

COMING SOON:

दाल । चावल । मसाले । कुकिंग ऑयल । ड्राई फ्रूट्स । चाय

ORDER
ON WEBSITE



ORDER
ON APP



ORDER ON CALL
1800 120 2727

ORDER
ON WHATSAPP



T&C Apply.

विचार बिन्दु

जो काम घड़ों जल से नहीं होता उसे दवा के दो घूँट कर देते हैं और जो काम तलवार से नहीं होता वह काँटा कर देता है। —सुदर्शन

जल संरक्षण में स्मार्ट तकनीकें और नवाचार: स्थायी भविष्य की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम

जल संरक्षण आज की सबसे गंभीर वैश्विक चुनौतियों में से एक है। जल केवल जीवन का आधार नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संतुलन का भी मुख्य स्तंभ है। किंतु तेजी से बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण, औद्योगिकीकरण और पारंपरिक ख़ोतों के अंधाधुंध उपयोग व प्रदूषण के कारण जल संकट गहराता जा रहा है। एक ओर कुछ क्षेत्रों में पानी की गंभीर कमी है, वहीं दूसरी ओर संसाधनों का असमान वितरण समस्या को और जटिल बना रहा है। ऐसे में इस संकट से निपटने के लिए केवल पारंपरिक उपायों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। आधुनिक समय में तकनीकी नवाचार और स्मार्ट तकनीकों का संयोजन ही जल संरक्षण की सबसे प्रभावी रणनीति बनकर उभर रहा है। भारत जैसे विकासशील देशों में जल संरक्षण की आवश्यकता और भी अधिक गंभीर है। देश की कृषि व्यवस्था आज भी जल पर ही आधारित है, जबकि औद्योगिक और शहरी विकास भी जल की खपत लगातार बढ़ा रहे हैं।

रिपोर्ट्स बताती हैं कि आने वाले वर्षों में भारत के कई शहर ‘डे-जीरो’ की स्थिति तक पहुँच सकते हैं, यानी वह दिन जब नलों से पानी आना बंद हो जाएगा। यह चेतावनी इस बात की ओर इशारा करती है कि यदि जल उपयोग को वैज्ञानिक तरीके से नियंत्रित नहीं किया गया, तो आगामी पीढ़ियाँ गंभीर जल संकट का सामना करेंगी। तकनीकी नवाचारों ने मानव जीवन के हर क्षेत्र में परिवर्तन किया है और जल प्रबंधन भी इससे अछूता नहीं है। नई तकनीकें जल उपयोग और आपूर्ति दोनों को वैज्ञानिक ढंग से नियंत्रित करने की क्षमता रखती हैं। इनमें स्मार्ट वाटर मीटर, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), डेटा एनालिटिक्स, स्मार्ट सिंचाई प्रणालियाँ, वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण जैसी तकनीकें प्रमुख हैं। जल संरक्षण के क्षेत्र में सबसे बड़ा बदलाव स्मार्ट वाटर मीटर के रूप में देखा जा रहा है। यह उपकरण रीयल-टाइम डेटा प्रदान करता है, जिससे उपभोक्ता अपनी जल खपत पर नज़र रख सकते हैं। इससे पानी की बर्बादी कम होती है और आवश्यकता से अधिक खपत पर तुरंत नियंत्रण संभव हो पाता है। इसी प्रकार IoT आधारित सेंसर पानी की पाइपलाइनों और टैंकों में रिसाव का पता लगाते हैं। यदि कहीं लीकेज या ओवरफ्लो जैसी स्थिति होती है, तो ये सेंसर तुरंत संदेश भेजकर चेतावनी देते हैं। इस प्रकार बड़ी मात्रा में पानी की हानि को समय रहते रोका जा सकता है।

भारत की कृषि व्यवस्था जल संरक्षण की दिशा में तकनीकी नवाचारों का सबसे बड़ा केंद्र बन सकती है। स्मार्ट सिंचाई प्रणालियों का प्रयोग इसका स्पष्ट उदाहरण है। ड्रिप इरिगेशन और स्प्रिंकलर सिस्टम पौधों की जड़ों तक आवश्यक मात्रा में पानी पहुँचाते हैं। अब तो ये प्रणालियाँ मिट्टी की नमी, तापमान और मौसम की स्थिति जैसे ऑक्डकों के आधार पर स्वतः सिंचाई करती हैं। इससे न केवल जल की भारी मात्रा में बचत होती है,

वर्षा जल संचयन की संस्कृति भारत में प्राचीन समय से रही है, लेकिन आधुनिक तकनीक ने इसे और प्रभावी बना दिया है।

आज स्मार्ट रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम उपलब्ध हैं, जो छत पर गिरे वर्षा जल को स्वतः फ़िल्टर करके टैंकों में संग्रहित करते हैं। इस पानी का उपयोग घरेलू कार्यों, बागवानी और यहाँ तक कि पीने योग्य स्तर पर शुद्ध करके किया जा सकता है। पुनर्चक्रण तकनीक भी जल संरक्षण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन गई है।

है। पुनर्चक्रण तकनीक भी जल संरक्षण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन गई है। घरेलू और औद्योगिक स्तर पर प्रयुक्त जल को उन्नत वैज्ञानिक तरीकों से शुद्ध कर पुनः उपयोग में लाया जा सकता है। इससे न केवल ताज़ा पानी की आवश्यकता घटती है, बल्कि नदियों और भूमिगत जल पर दबाव भी कम होता है।

जल संरक्षण में एआई और बिग डेटा एनालिटिक्स की भूमिका बढ़ रही है। बड़ी मात्रा में एकत्रित जल उपयोग डेटा का विश्लेषण करके भविष्य में होने वाली मांग का अनुमान लगाया जा सकता है। इससे प्रशासन और नगर निकाय जल वितरण की बेहतर योजनाएँ बना सकते हैं। एआई आधारित तकनीकें रिसाव का पता लगाने, बर्बादी रोकने, और अलग-अलग क्षेत्रों में जल खपत की तुलना करके नीतिगत निर्णय लेने में सहायक हैं। भविष्य में इन तकनीकों का विकास जल संकट से निपटने में निर्णायक साबित होगा। शहरों में जल संकट सबसे गंभीर रूप धारण करता है। यहाँ स्मार्ट जल प्रबंधन प्रणालियों का प्रयोग विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। सेंसर और क्लाउड बेस्ड प्लेटफार्म के ज़रिए जल वितरण और खपत का रीयल-टाइम निर्यंत्रण किया जाता है। भारत के कई स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स में इन तकनीकों का उपयोग करके जल खपत को नियंत्रित करने और रिसाव से होने वाली हानि को घटाने में सफलता भी मिली है। इससे शहरी जीवन स्तर सुधरता है और जल संकट का दबाव कम होता है।

जल संरक्षण के तकनीकी उपाय केवल पर्यावरणीय लाभ ही नहीं देते, बल्कि ये आर्थिक दृष्टि से भी उपयोगी हैं। घरेलू स्तर पर स्मार्ट मीटर और वर्षा जल संचयन से पानी का बिल घटता है। खेती में स्मार्ट सिंचाई से उत्पादन बढ़ता है और लागत घटती है। उद्योगों में जल पुनर्चक्रण से न केवल जल संरक्षण होता है, बल्कि लागत भी कम होती है। सामाजिक दृष्टि से ये तकनीकें जल-संकट से जुड़े झगड़े और संकटों को कम करती हैं। जिन क्षेत्रों में जल की कमी है, वहाँ स्मार्ट समाधान से जल उपलब्धता एक समान और न्यायपूर्ण ढंग से सुनिश्चित होती है। तकनीकी समाधान तभी सफल हो सकते हैं, जब लोग उनमें सक्रिय रूप से भाग लें। जल संरक्षण के प्रति जागरूकता अभियान चलाना और नागरिकों को स्मार्ट तकनीकों के फायदे समझाना सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। यह मानना गलत होगा कि केवल सरकारी परियोजनाएँ ही जल संकट से निपट सकती हैं। हर नागरिक को अपनी जल खपत को नियंत्रित करने और नई तकनीकों को अपनाने की जिम्मेदारी उठानी होगी।

जल संरक्षण केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि यह हमारे अस्तित्व की मूलभूत आवश्यकता है। आधुनिक तकनीकों और नवाचारों ने इस क्षेत्र में नए अवसर पैदा किए हैं। स्मार्ट वाटर मीटर, IoT , एआई, वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण जैसी तकनीकें यह साबित कर चुकी हैं कि वैज्ञानिक साधनों से जल संकट पर काबू पाया जा सकता है। भारत सहित पूरे विश्व के लिए यह एक प्रेरणादायक दिशा है कि तकनीक और परंपरा का संयोजन करके जल संरक्षण को स्थायी और दीर्घकालिक बनाया जा सकता है। यदि समय रहते इन समाधानों को बड़े पैमाने पर अपनाया गया, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और पर्याप्त जल उपलब्ध कराना संभव होगा। अंततः जल संरक्षण केवल सरकारों की योजनाओं का विषय नहीं है, यह समाज के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। वैज्ञानिक नवाचारों की मदद से जल संसाधनों का जिम्मेदाराना, कुशल और सतत उपयोग ही हमें एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है।

—अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

राशिफल

शनिवार 20 सितम्बर, 2025

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, चतुर्शी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत २०८२, मघा नक्षत्र प्रातः ८:०६ तक, साध्य योग रात्रि ८:०७ तक, वष्टि करण दिन ११:५७ तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरु-मिथुन, शुक-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा दिन ११:५७ तक रहेगा। आज चतुरदशी का श्राद्ध और विष श्राव्हादि से मृतकों का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ ७:४९ से ९:१९ तक, हर १२:२० से १:५१ तक, लाभ-अमृत १:५१ से ४:५२ तक।

राहूकाल: ९:०० से १०:३० तक। सूर्योदय ६:१८, सूर्यास्त ६:३१

संपादकीय

समाजवाद के प्रणेता अहिंसावादी प्रथम वैश्य सम्राट महाराजा अग्रसेन



डॉ.जे.के. गर्ग

निर्विवाद रूप से किसी भी राष्ट्र या समाज एवं परिवार को उन्नत विकसित और कल्याणकारी बनाने के लिये उसके आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक स्तम्भों का मजबूत होना अति आवश्यक है । इन चारों स्तंभों को दृढ़ करके ही राष्ट्र को प्रगतिशील एवं विकसित देश बनाया जा सकता है । लगभग ५१४६ वर्ष पूर्व महाराजा अग्रसेनजी इन्हीं चार स्तंभों को मजबूत कर समृद्धशाली, कल्याणकारी समाजवादी एवं शक्तिशाली राज्य का निर्माण करने में सफल हुए थे । अठासेन एक पौराणिक कर्मयोगी लोकनायक होने के साथ साथ अहिंसा और समाजवाद के प्रणेता तपस्वी धर्म परायण दानवीर युग पुरुष थे जिनका जन्म द्वार युग के अंत व कलयुग के प्रारंभ में लगभग ५१४,६ वर्ष पूर्व अश्विनशुक्ल प्रतिपदा के दिन प्रताप नगर के सूर्यवंशी राजा वल्लभसेन के यहाँ हुआ था उनकी माताजी का नाम भगवतीदेवी था। प्रतापनगर राजस्थान एवं हरियाणा राज्य के बीच सरस्वती नदी के किनारे स्थित हुआ करता था ।

ऐसा भी कहा जाता है की महाराजा अग्रसेन भगवान श्रीराम के पुत्र कुश की ३४त्री पीढ़ी के थे । इस मान्यता के मुताबिक अग्रवंशी भगवान राम के वंशस होंगे । कहा जाता है कि महाभारत के दसवें दिन राजा वल्लभसेन वीर गति को प्राप्त हो गये थे । पन्द्रह वर्ष की अल्प आयु मे ही अग्रसेनजी ने महाभारत के धर्मयुद्ध में पांडवों की तरफ से भाग लिया था। भगवान श्रीकृष्ण भी उनकी बुद्धिमता, शौर्य, प्राक्रम, समझबुझ से अत्यंत प्रभावित हुए थे और उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि युवा अग्रसेन भविष्य में एक पराक्रमी सम्राट एवं युग पुरुष होंगे ।

विवाह— युवा अग्रसेन ने सर्पों के राजा नागराज की बेटी राजकुमारी माधवी के स्वयंवर में अनेकों राजाओं, राजकुमारों और स्वर्ग के सम्राट इंद्रदेव के साथ भाग लिया था । इंद्र देवता राजकुमारी माधवी की सुंदरता पर मोहित

थे इसीलिए एन केन प्रकारेण राजकुमारी माधवी से विवाह करना चाहते थे। स्वयंवर में राजकुमारी माधवी ने राजकुमार अग्रसेन का चयन कर उनका वरण किया । अग्रसेन माधवी के विवाह से दो विभिन्न संस्कृतियों एवं परिवारों का मिलन हुआ क्योंकि राजकुमार अग्रसेन जहाँ एक सूर्यवंशी थे वहीं राजकुमारी माधवी एक नागवंशी थी। राजकुमारी माधवी का विवाह अग्रसेन जी के साथ हो जाने से इंद्रदेव ने अपने आप को अपमानित महसूस किया और वे ईर्ष्या ग्रस्त होकर बहुत क्रोधित हुए और इंद्र ने प्रताप नगर के निर्दोष स्त्री-पुरुषों, बालक-बालिकाओं को प्रताड़ित करने हेतु प्रताप नगर पर कई वर्षों तक बरिश नहीं होने दी जिससे प्रताप नगर में भयानक अकाल पड गया । सम्राट अग्रसेन ने अपनी प्रजा एवं प्रताप नगर की सुरक्षा और राजधर्म के पालनार्थ इंद्र के खिलाफ धर्मयुद्ध प्रारम्भ कर दिया । युद्ध में इंद्र की पराजय हुई। पराजित इंद्र ने नारदमुनि से अनुनय-विनय कर उनकी सम्राट अग्रसेन से सुलह कराने का निवेदन किया । नारद मुनि ने दोनों के बीच में मध्यस्थता करके सुलह करवा दी ।

भगवान शिव और माता लक्ष्मी की आराधना

यहाँ यह स्मरण रखने वाली बात है कि महाभारत के युद्ध के कारण जन धन की बहुत तबाही हुई थी इसलिए अपने राज्य की खुशहाली के वास्ते महाराजा अग्रसेन ने काशी जाकर भगवान शिव की उपासना करती तपस्या की जिससे खुश हो कर भगवान शिवजी ने उन्हें दर्शन दिया और उनको आदेश दिया कि वे महालक्ष्मी जी की पूजा और ध्यान करे । अग्रसेन ने महालक्ष्मी की पूजा आराधना शुरू कर दी। माँ लक्ष्मी ने उनकी परोपकार हेतु की गई तपस्या से खुश होकर उन्हें दर्शन दिए और आदेश दिया कि वे अपना एक नया राज्य बनायें और क्षत्रिय परम्परा के स्थान पर वैश्य परम्परा अपना लें। माता लक्ष्मी ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि उनके और उनके अनुयायियों को कभी भी किसी चीज की कमी नहीं होगी, वे सभी सदैव सुख-सुविधा युक्त जीवन व्यापन करगें। लक्ष्मी माता का आदेश मान कर अग्रसेन महाराज ने क्षत्रिय कुल को त्याग वैश्य धर्म को अपना लिया, इस प्रकार महाराजा अग्रसेन प्रथम वैश्य सम्राट बने ।

अग्रोहा शहर का जन्म— देवी महालक्ष्मी से आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद राजा अग्रसेन ने नए राज्य की स्थापना एवं उस राज्य की राजधानी के चयन हेतु

रानी माधवी के साथ भारत का भ्रमण किया, अपनी यात्रा के दौरान वे एक जगह रुके जहाँ उन्होंने देखा कि कुछ शेर और भेड़िये के बच्चे साथ खेल रहे थे । राजा अग्रसेन ने रानी माधवी से कहा के ये बहुत ही शुभ दैवीय संकेत है है जो हमें इस पुण्य भूमि पर हमारे राज्य की राजधानी को स्थापित करने का इशारा कर रहा है। ऋषि मुनियों और ज्योतिषियों की सलाह पर नये राज्य का नाम अग्रोयगण रखा गया जिसे कालान्तर में यह स्थान अग्रोहा नाम से जाना गया। अग्रोहा हरियाणा में हिसार के पास है। आज भी यह स्थान अग्रवाल समाज के लिए तीर्थ स्थान के समान है। यहाँ भगवान अग्रसेन, माता माधवी और कुलदेवी माँ लक्ष्मी जी के भव्य और दर्शनीय मंदिर है ।

समाजवाद के प्रेरणाता— महाराजा अग्रसेन जी के राज्य में यह परंपरा थी कि जो भी व्यक्ति या परिवार उनके राज्य में आकर बसता था, अग्रोहा के सभी निवासी नवागंतुक नागरिक को सम्मान और स्वागत के रूप में एक रुपया और एक ईंट भेंट करते थे। कहा जाता है कि उस समय अग्रोहा में लगभग एक लाख अधिक परिवार बसते थे। इस प्रकार उनके राज्य में आने वाला हर नागरिक एक लाख रुपये तथा एक लाख ईंटों का स्वामी बन जाता था। इन रुपयों से वह अपना व्यवसाय प्रारम्भ कर लेता था वहीं ईंटों से अपना खुद का मकान बना लेता था। यही परंपरा समाजवाद की ही मिसाल है निःसंदेह अग्रसेन जी ने विश्व में सबसे पहले समाजवादी राष्ट्र की स्थापना की थी।

पशु बलि बंद करने वाले प्रथम सम्राट कुलदेवी माता लक्ष्मी की कृपा से भगवान अग्रसेन के १८ पुत्र हुये। राजकुमार विभु उनमें सबसे बड़े थे। महर्षि गर्ग ने भगवान अग्रसेन के १८ पुत्र के साथ १८ यज्ञ करने का संकल्प करवाया। उन दिने यज्ञों में पृष्ठबलि दी जाती थी। जिस समय १८वें यज्ञ में जीवित पशुओं की बलि देने की तैयारी की जा रही थी उस वक़्त एक घोड़ा बली के लिए लाया गया । महाराज अग्रसेन ने देखा कि घोड़े की निरीह आँखों से अँवरिल आंसू बह रहे थे और वो निरीह पशु यज्ञ की वेदी से दूर जाने और वहाँ से भागने की कोशिश कर रहा था । इस दृश्य को देख कर महाराज अग्रसेन का दिल दया से भर गया और वे आहत भी हुए । उन्होंने सोचा कि ये कैसा यज्ञ है जिसमें हम मृक जानवरों की बलि चढ़ाते है ? महाराजा अग्रसेन ने पशु वध को बंद करने के लिये अपने मंत्रियों के साथ विचार-विमर्श किया और अपने

मंत्रिमंडल के विचारों के विपरीत जाकर उन्हें समझाया कि अहिंसा कभी भी कमजोरी नहीं होती है बल्कि अहिंसा तो एक दूसरे के प्रति प्रेम और अपनापन जगाती है। महाराजा अग्रसेन ने तुरंत प्रभाव से मुनादी करवा दी की उनके राज्य में कभी भी कोई हिंसा और जानवरों की हत्या नहीं होगी। अग्रसेन जी अहिंसा परमो धर्म का संदेश देने वाले प्रथम महाराजा बन अहिंसा का संदेश उन्होंने भगवान बुद्ध और भगवान महावीर के अहिंसा के संदेश से २५०० साल पहले दे दिया था ।

शासन व्यवस्था— भगवान अग्रसेन ने एक तांत्रिक शासन प्रणाली के स्थान पर एक नयी प्रजातांत्रिक राज्य व्यवस्था को जन्म दिया अग्रसेन जी ने वैदिक सनातन आर्य संस्कृति की मूल मान्यताओं को लागू कर राज्य के पुनर्गठन में कृषि व्यापार उद्योग, ग्री पालन के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की पुनः प्रतिष्ठा का बीड़ा उठाया। महाराजा अठासेन जी पहले शासक थे जिन्होंने सहकारिता के आदर्श को सामाजिक जीवन में प्रतिस्थापित किया। उन्होंने जीवन के सुख-सुविधाओं एवं भोग विलास आदि पर धन के अपव्यय के स्थान पर जीवन को न्याय नैतिक मूल्यों के आधार पर जोर दिया। अग्रसेन के मतानुसार व्यक्ति को अपनी उर्पाजित आय को चार भागों में बांट कर एक भाग का उपयोग परिवार के संचालन हेतु, दूसरे भाग का उपयोग उद्योग व्यवसाय या जीविका चलाने हेतु, तीसरे भाग का उपयोग सार्वजनिक कार्यों तथा चौथे भाग का उपयोग बचत कर राष्ट्र की समृद्धि में करना चाहिये।

अग्रवाल के १८ गोत्र एवं उनका नामकरण हममें से अधिकांश लोगों की मान्यता है कि अग्रवालों के १८ या साढ़े सत्तराह गोत्रों के नाम उनके १८ पुत्रों के नाम से रक्खे गये है किन्तु वास्तविकता में गोत्रों के नाम १८ यज्ञ करवाने वाले ऋषियों के नाम से हैं । महर्षि गर्ग ने भगवान अग्रसेन को १८ पुत्र के साथ १८ यज्ञ करने का संकल्प करवाया। माना जाता है कि इन १८ यज्ञों को ऋषि मुनियों ने सम्पन्न करवाया और इन्हीं ऋषि-मुनियों के नाम पर ही अग्रवंशीय के गोत्रों का नामकरण हुआ । प्रथम यज्ञ के पुरोहित स्वयं गर्ग ऋषि बने, उन्होंने राजकुमार विभु को दीक्षित कर उन्हें गर्ग गोत्र से मंत्रित किया। इस प्रकार अग्रवालों के १८ गोत्र है यथा— गर्ग, तावट, कुच्चल, गोयन, भंदेल, मंगल, मितल, बंसल, बिंदल, कंसल, नागल, मितल, बंसल, तिंगल,

विवाद से विश्वास तक, सेवा शिविर बना नई शुरुआत का मंच

70 साल पुराने भूमि विवाद का समाधान हुआ



जोधपुर जिले की ग्राम पंचायत जसवंतपुरा में सात दशक के विवाद को शिविर में सुलझाया।

2.5१6१ हेक्टेयर भूमि वर्षों से विवादों में उलझी हुई थी। पीढ़ी—

दर-पीढ़ी चल रहे इस मामले में बंटवारा संभव नहीं हो पा रहा था।

धूमधाम से भरा इच्छापूर्ण दाणा बाबा का मेला

व्यावर (निसं) राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या ५८ पर गांव कालिंजर में मगरा क्षेत्र के आराध्य देव श्री इच्छार्पण दाणा बाबा का मेला धूमधाम से भरा। मंदिर में दिनभर दर्शन करने को लेकर भक्तों का तांता लगा रहा। मेला की पूर्व संध्या पर राजि जगाम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रितुल म्यूजिकल ग्रुप व्यावर के बैनर तले प्रदेशभर में आए एक से बढ़कर एक ख्यातिप्राप्त कलाकारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भीर होने तक रोके रखा।

प्रसिद्ध भजन गायक धूलसिंह कडीवाल ने गणेश वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। धूलसिंह ने लाज

राख ज्यों इच्छापूर्ण दाणा बाबा...., ऊंचा मगरा पर बैठोड़ी कालिंजर हास्य कलाकार रमेश कुमावत ने दर्शकों को खूब हंसाया। युवाओं को जोश में होश संधालने की नसीहत”- एसपी रतनसिंहमेला संयोजक हरजीसिंह चौहान ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व्यावर जिला पुलिस अधीक्षक रतनसिंह थे। एसपी रतनसिंह ने आयोजन को सराहनीय बताते हुए युवाओं को जोश में होश संधालने की नसीहत भी दी। विशिष्ट अतिथि जवाजा पंचायत समिति प्रधान गणपतसिंह रावत, जवाजा सरपंच संघ अध्यक्ष महिपालसिंह बामनहेड़ा, थानाधिकारी

आएं। हंसा और राखी की जोड़ी ने लोकगीतों पर जयमकर दुमके लगाए। हास्य कलाकार रमेश कुमावत ने दर्शकों को खूब हंसाया। युवाओं को जोश में होश संधालने की नसीहत”- एसपी रतनसिंहमेला संयोजक हरजीसिंह चौहान ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व्यावर जिला पुलिस अधीक्षक रतनसिंह थे। एसपी रतनसिंह ने आयोजन को सराहनीय बताते हुए युवाओं को जोश में होश संधालने की नसीहत भी दी। विशिष्ट अतिथि जवाजा पंचायत समिति प्रधान गणपतसिंह रावत, जवाजा सरपंच संघ अध्यक्ष महिपालसिंह बामनहेड़ा, थानाधिकारी

महादेव गुर्जर, भामाशाह पुखराज लखरा आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय सरपंच व प्रशासक ब्रजपालसिंह रावत ने की। इस मौके पर पूर्व सरपंच रमेश लाल, ओमप्रकाशसिंह राजश्री, युवराजसिंह पंवार, महेंद्रसिंह गौड़, रूपसिंह गहलोत, बुधासिंह, श्रवणसिंह, हरिसिंह, जसवंतसिंह, सोनू गौड़, योगेन्द्रसिंह, राजेन्द्रसिंह, पुखराजसिंह, नरेन्द्रसिंह समेत मेला कमेटी कार्यकर्ता और जवाजा पुलिस थाना का जाब्ता के साथ-साथ बड़ी संख्या व्यावर पुलिस स्थान से आरएसी के जवान और होमगार्ड भी तैनात रहे। मंच संचालन सरपंच

ब्रजपालसिंह रावत व तरूण पंडित ने किया। कबड्डी में अंधेरी देवरी विजेता और उपविजेता रही बडासमेला में दृधिया रोशनी में डे-नाइट कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। मेला संयोजक हरजीसिंह चौहान ने बताया कि मेला में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता के रोमांचक फाइनल मुकाबले में अंधेरी देवरी ने बडास को हराकर चैंपियनशिप जीती। इसमें विजेता टीम अंधेरी देवरी को ग्यारह हजार रुपएनकद राशि पुरस्कार स्वरूप देकर पुरस्कृत किया। इसी प्रकार उपविजेता रही बडास को सात हजार सौ रुपए नकद राशि पुरस्कार स्वरूप देकर पुरस्कृत किया गया।



पंडित अनिल शर्मा

शुक-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा दिन ११:५७ तक रहेगा। आज चतुरदशी का श्राद्ध और विष श्राव्हादि से मृतकों का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ ७:४९ से ९:१९ तक, हर १२:२० से १:५१ तक, लाभ-अमृत १:५१ से ४:५२ तक।

राहूकाल: ९:०० से १०:३० तक। सूर्योदय ६:१८, सूर्यास्त ६:३१

मेघ	वृष
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के धारण भागदौड़ रहेगी और अनावश्यक आय में खर्च होगा।	घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला	वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आज स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।	व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन	धनु
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में आज शुभ संदेश प्राप्त होंगे।	नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आशावास प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क	मकर
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियों अभी यथावत बनी रहेगी।

सिंह	कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज धार्मिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य साधने हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या	मीन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।	स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोन:- 256906, 256907, फैक्स:- 01562-256908

वर्ष: 17 संख्या: 144

प्रभात

चूरू, शनिवार 20 सितम्बर, 2025

पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21

पृष्ठ 8

मूल्य 2.50 रु.

ट्रंप के टैरिफ के ‘‘ श्राप ’’ को भारतीय ज्वैलर्स ने वरदान में तब्दील किया

ज्वैलरी पर लगे 50 प्रतिशत टैरिफ को, बड़ी होशियारी से कानूनी दाँव-पेच से 5.5 प्रतिशत टैरिफ में बदला

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 19, सितंबर। जब ट्रंप प्रशासन ने भारत से आभूषण आयात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया, तो इस कदम का उद्देश्य अमेरिका के सबसे बड़े सोने और हीरे के आभूषणों के सप्लायरों में से एक को करारा झटका देना था। अमेरिका के आभूषण आयात में भारत का एक बड़ा हिस्सा है और इस शुल्क से कीमतें बढ़ने, मार्जिन कम होने और लाखों लोगों की आजीविका को सहारा देने वाले उद्योग को झटका लगने का खतरा है। लेकिन इस समस्या को एक अनूठा ट्विस्ट देते हुए, भारतीय ज्वैलर्स ने टैरिफ की दीवार को पार करने का एक रास्ता खोज लिया है। इस काम में सबसे आगे हैं, मुंबई स्थित आभूषण निर्माता गोल्डियम इंटरनेशनल लिमिटेड, जिसके पास लगभग चार दशकों का वैश्विक अनुभव है। टैरिफ से कुचले जाने के बजाय, कंपनी ने इसे एक अवसर में

बदल दिया है। इसका राज अमेरिकी टैरिफ कानून के एक अनदेखे प्रावधान में छिपा है: यदि कच्चा माल अमेरिका का है और प्रोसेसिंग के लिए विदेश भेजा जाता है और तैयार माल के रूप में वापस आता है, तो आयात शुल्क सिर्फ अतिरिक्त वैल्यू एडिशन पर ही लागू होता है। गोल्डियम ने अपनी सप्लाय चैन को इस ब्रूट के अनुसार दोबारा ढाल लिया है। यह व्यवस्था इस प्रकार काम करती है। कंपनी अमेरिका से सोना खरीदती है, जिससे उसे टैरिफ नियमों के तहत ‘‘घरेलू’’ दर्जा मिल जाता है। आधे-तैयार आभूषण भारत भेजे जाते हैं, जहाँ कारीगर इन आभूषणों को पॉलिश करते हैं और हीरे जड़ते हैं। इन

■ अमेरिका के टैरिफ कायदे-कानून के अनुसार, अगर किसी भी कच्चे माल की खरीद अमेरिका में होती है तथा इस खरीद को विदेश भेजकर ‘‘प्रोसेस’’ कराया जाता है तो वह तैयार माल जब अमेरिका में बिक्री के लिये आता है तो उस प्रॉडक्ट की ‘‘प्रोसेसिंग लागत’’ पर ही टैरिफ लगता है, जो लगभग 5.5 प्रतिशत ही होता है, पर, अगर सीधा तैयार माल अमेरिका भेजा जाए तो उस पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगता है।

■ भारतीय ज्वैलर्स अमेरिका में सोना खरीद कर, ‘‘सेमी फिनिशड’’ हालत में भारत भेज रहे हैं। भारतीय कारीगर उस ‘‘सेमी फिनिशड’’ सोने की ज्वैलरी को पॉलिश आदि करके चमकाकर, उसमें हीरे, माणिक, रूबी, आदि रत्न, डिजाइन के अनुसार सैट करके अमेरिका वापस भेज देते हैं, बिक्री के लिए। अतः अब निर्यात की गई ज्वैलरी पर केवल 5.5 प्रतिशत टैरिफ लगता है, न कि 50 प्रतिशत जो सीधे अमेरिका को एक्सपोर्ट करने पर लगता।

गोल्डियम को अतिरिक्त श्रम और हीरों पर केवल 5.5 प्रतिशत शुल्क देना पड़ता है, जो प्रतिस्पर्धियों के

मुकाबले बहुत कम है।

गोल्डियम के लिए, यह सिर्फ (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोकसभाध्यक्ष के ओ.एस.डी. दत्ता को सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश में कोई हस्तक्षेप करने से इन्कार किया तथा हाई कोर्ट को इंगित किया कि वह राजीव दत्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायें, ‘‘ट्यूमन ट्रैफिकिंग के मामले में

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -
नई दिल्ली, 19 सितम्बर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला के ओएसडी (ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी) राजीव दत्ता की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें कोई राहत देने से इनकार कर दिया है और हाई कोर्ट को उनके खिलाफ केस करने वाले वकीलों को डराने-धमकाने के आरोपों में एफ आई आर दर्ज करने का निर्देश दिया है। सुत्रों के अनुसार, आज सुबह स्वयं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के आवास पर जाकर मुलाकात की। बताया जा रहा है कि उन्होंने मेहता से कहा कि सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है, और यह सुनिश्चित करने को कहा कि राजीव दत्ता के खिलाफ एफ आई आर दर्ज न हो। राजीव दत्ता की ओर से

■ विश्वस्त सुत्रों के अनुसार, स्वयं ओम बिडला शुक्रवार की सुबह, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के घर गए, उन्हें बताने कि दत्ता को सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है और वे (तुषार मेहता) दत्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज न होने दें।

■ राजीव दत्ता की ओर से कई बड़े-बड़े वकील सुप्रीम कोर्ट गए हुए थे, उनके मामले की पैरवी करने के लिए। पर, फिर सुप्रीम कोर्ट राजीव दत्ता से काफी सख्ती से पेश आया और पूछा कि याचिका दायर करने वालों के खिलाफ पाँच-पाँच केस दर्ज करवाये गये हैं तथा उन्हें धमकी दी जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट में देश के नामी वकीलों की टीम ने पैरवी की, लेकिन इसके बावजूद कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए पूछा कि याचिकाकर्ताओं के खिलाफ 5 झूठे केस क्यों दर्ज किए गए और उन्हें असामाजिक तत्वों के मार्फत क्यों धमकाया गया। सुप्रीम कोर्ट ने दत्ता को

यह विकल्प जरूर दिया है कि वे चाहें तो दोबारा हाई कोर्ट में जा सकते हैं। जयपुर में एफ आई आर लेकिन अब तक हाई कोर्ट द्वारा दर्ज करने का जो निर्देश पुलिस को दिया गया था, वह अभी तक लागू नहीं किया गया है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिंगर जुबिन गर्ग की हादसे में मौत

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। बॉलीवुड के गलियारों से एक दिल तोड़ने वाली खबर सामने आई है। 90 के दशक में हिंदी सिनेमा को या अली, सुबह-सुबह, दिल तु ही बता और जिन्या रे जियारे जैसे कई सुपरहिट गाने देने वाले सिंगर जुबिन गर्द का निधन हो गया है।

52 साल के असम के मशहूर सिंगर और कलचरल आइकन जुबिन गर्ग की जान स्कूबा डाइविंग करते हुए गई है।

■ जुबिन गर्ग सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग कर रहे थे वहाँ हादसे में उनकी मौत हो गई। गर्ग असम के कलचरल आइकन थे।

उनके निधन की जानकारी असम के कैबिनेट मंत्री ने शुक्रवार की दोपहर में

शेयर की है। सिंगर जुबिन गर्ग जब स्कूबा डाइविंग कर रहे थे तो उस दौरान उनके साथ ये हादसा हुआ। सिंगापुर पुलिस ने मौके पर जाकर उन्हें समुद्र से रेस्क्यू किया और तुरंत ही पास के अस्पताल लेकर गए। अस्पताल में पूरी मेडिकल केयर के बावजूद, उन्हें बचाया नहीं जा सका। जुबिन गर्ग सिंगापुर में गॉथ ईस्ट फेस्टिवल को अर्टेंड करने के लिए गए थे, जहाँ उन्हें 20 सितंबर को परफॉर्म करना था।

नयी दिल्ली, 19 सितंबर। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डीयूसयू) चुनावों में इस बार अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने अध्यक्ष समेत तीन पदों पर जीत हासिल की है। एबीवीपी ने अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पद पर जीत हासिल कर एक बार फिर से इतिहास रचा है। जबकि एनएसयूआई को सिर्फ उपाध्यक्ष पद से ही

एसआई पेपर लीक में एक और प्रोबेशनर गिरफ्तार

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में कार्रवाई करते हुए, एक प्रोबेशनर एसआई को गिरफ्तार किया है, जो चित्तौड़गढ़ पुलिस लाइन में तैनात था। गिरफ्तार प्रोबेशनर एसआई परीक्षा से पहले लीक सॉल्व पेपर को पढ़ कर चयनित हुआ था। एसओजी फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी एसओजी) वीके सिंह ने बताया कि एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में कार्रवाई करते हुए, प्रोबेशनर एसआई कैलाश कुमार विश्नोई निवासी सांवीर जिला जालोर गिरफ्तार किया गया है। कैलाश कुमार एसआई भर्ती पेपर की दोनों परियों की लिखित परीक्षा में लीक हुआ सॉल्वड पेपर पढ़ कर चयनित हुआ था और वर्तमान में पुलिस लाइन चित्तौड़गढ़ में पुलिस एसआई (प्रोबेशनर) है। अब तक 56 एसआई सहित, कुल 127 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गौरतलब है कि एसआई भर्ती परीक्षा 2021 पेपर लीक मामले में एसओजी की ओर से साल 2024 में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

■ दिल्ली युनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव में एबीवीपी ने अध्यक्ष, महासचिव व संयुक्त सचिव पद जीता है। उपाध्यक्ष पद एनएसयुआई को मिला है।

संतोष करना पड़ा है।

डूसू चुनाव में अध्यक्ष पद समेत तीन पदों पर एबीवीपी की जीत पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी

नड्डा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत कई भाजपा नेताओं ने बधाई दी है। दिल्ली के सांसदों मनोज तिवारी, कमलजीत सहरावत , बांसुरी स्वराज के साथ-साथ

चुनाव आयोग के बचाव में राहुल गांधी के खिलाफ पूरी ताकत से मैदान में उतरी भाजपा

शुक्रवार को एक के बाद एक भाजपा के दिग्गज नेताओं ने राहुल गांधी की और उनके वोट चोरी के आरोपों की कड़ी आलोचना की

-डॉ. सतीश मिश्रा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 19, सितंबर। कथित वोट चोरी के आरोपों को लेकर चुनाव आयोग पर हो रहे हमले के बीच, सत्तारूढ़ भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए ने आज विपक्ष के नेता राहुल गांधी को देश में अशांति फैलाने की कथित कोशिशों को लेकर निशाने पर लिया। एनडीए के कई नेताओं ने कांग्रेस नेता के हालिया बयानों की आलोचना की है, जिनमें उन्होंने जेनरेशन जैड को लोकतंत्र का रक्षक बताया था। उन्होंने राहुल गांधी पर देश में अशांति फैलाने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

जब भाजपा पर खतरा आता है, तो उसका मुख्य हथियार आक्रामक होना होता है और भाजपा के नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने विपक्ष के नेता पर देश के युवाओं को उकसाने का आरोप लगाते हुए यह बात पूरी स्पष्टता के साथ प्रदर्शित की। उन्होंने कहा, ‘‘राहुल गांधी देश के युवाओं, छात्रों और जेन जैड को

■ भाजपा नेता सैय्यद शाहनवाज़ हुसैन ने कहा कि विपक्ष के नेता देश के युवा वर्ग व जनरेशन ज़ैड को देश के खिलाफ भड़का रहे हैं।

■ भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने राहुल पर देश के लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। जद (यू) नेता राजीव रंजन प्रसाद ने भी राहुल के खिलाफ मोर्चा खोला।

■ भाजपा सुत्रों ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री अमित शाह के निर्देश पर भाजपा व एनडीए के नेता राहुल पर आक्रमण कर रहे हैं, क्योंकि उनकी वोट चोरी विरोधी मुहिम बिहार में ही नहीं देश भर में जोर पकड़ रही है।

भड़का रहे हैं। वे उन्हें राष्ट्र के खिलाफ उकसा रहे हैं। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। देश के युवा प्रधानमंत्री मोदी को पर्सद करते हैं। उन्हें पता है कि यह सरकार उनके लिए और गरीबों के लिए काम कर रही है।’’

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी राहुल गांधी पर निशाना

साधा और पूर्ववर्ती और वर्तमान शासन के बीच तीव्र अंतर को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ‘‘जिन लोगों ने देश को लूटा, उन्हें अपने बचाव पर ध्यान देना चाहिए। जब उनके पिता, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि सरकार द्वारा दिये गये हर एक रुपये में से 85 पैसे भ्रष्टाचार में चले जाते हैं, तो लोग स्तब्ध

रह गए थे। आज प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में अगर एक लाख करोड़ रुपये सरकार की योजनाओं के तहत भेजे जाते हैं, तो पूरा पैसा सीधे लोगों तक पहुँचता है।’’

इसी तरह, जनता दल (यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कांग्रेस सांसद की टिप्पणी की आलोचना की और भारतीय युवाओं में किसी भी प्रकार की सत्ता-विरोधी लहर से इनकार किया। उन्होंने कहा, ‘‘भारत के युवा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ‘‘विजन 2047’’ से जुड़ रहे हैं। यहाँ कोई सत्ता विरोधी लहर नहीं है। भारत में लोग नौकरियों, तकनीक और विकास पर केन्द्रित हैं, न कि सत्ता परिवर्तन पर।’’गुरुवार को, राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा था, ‘‘देश के युवा, देश के छात्र, जेन जैड संविधान को बचाएंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट चोरी को रोकेंगे। मैं हमेशा उनके साथ हूँ। जय हिंद।’’

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

साउदी अरब व पाकिस्तान का सुरक्षा अनुबंध क्या केवल आपसी सुरक्षा का वादा है?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 19, सितंबर। ‘‘स्वराज्य’’ पत्रिका में प्रकाशित एक विश्लेषण में कहा गया है कि सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बीच हुए रणनीतिक समझौते का भारत पर बहुत गहरा असर पड़ेगा। विश्लेषण में कहा गया है कि इस समझौते के अनुसार, किसी एक देश पर हमला, दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। सऊदी और पाकिस्तानी आधिकारिक मीडिया ने कहा है कि यह समझौता किसी भी आक्रामकता के खिलाफ संयुक्त प्रतिरोध को मजबूत करता है और दशकों से चली आ रही रक्षा साझेदारी को संस्थागत रूप देता है। ऐतिहासिक रूप से, सऊदी-पाक सुरक्षा सहयोग काफी गहरा रहा है। सन् 1947 में पाकिस्तान को मान्यता देने

वाले शुरुआती देशों में सऊदी अरब भी था और 1951 की ‘‘ट्रूटी ऑफ फ्रेंडशिप’’ ने उनके करीबी रिश्तों की नींव रखी। 1960 के दशक से, पाकिस्तान ने सऊदी अरब में सैनिक और प्रशिक्षक भेजे हैं और हजारों सऊदी अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया है। रियाद इस रिश्ते के तहत अक्सर इस्लामाबाद को कर्ज और तेल-क्रेडिट के रूप में आर्थिक मदद भी देता रहा है। नया समझौता ऐसे समय आया है, जब क्षेत्र में अस्थिरता है। खाड़ी देशों में सीमापार संघर्षों और अमेरिका की कम होती दखलंदाजी के कारण सुरक्षा चिंता बढ़ी है। हाल के वर्षों में गाज़ा में

इज़राइल का युद्ध और पड़ोसी देशों पर उसके हमले, जिनमें 9 सितम्बर 2025 को दोहा पर हवाई हमला शामिल है, अरब देशों को राजधानियों को बेचैन कर चुके हैं। खाड़ी नेताओं को अब केवल अमेरिकी सुरक्षा पर भरोसा करने में हिचक होने लगी है, क्योंकि वॉशिंगटन इज़रायल का खुला समर्थन करता है। इसी बीच, इस साल की शुरुआत में भारत ने एक संक्षिप्त संघर्ष के अनर्गत पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर हमला किया था, जिससे पाकिस्तान फिर से गहरी आर्थिक मुसीबत में पहुँच सकता था, जबकि उसने हाल ही में उससे थोड़ा

■ शीत युद्ध के प्रारंभिक दिनों में पाकिस्तान ने अमेरिका से ऐसे कई समझौते (पैक्ट्स) किये थे तथा अमेरिका ने कोई गारंटी नहीं दी थी कि पाकिस्तान पर कोई हमला होने पर, अमेरिका उसके पक्ष में युद्ध भूमि में कूद पड़ेगा।

■ एक्सपर्ट्स का यह भी मानना है कि यह साउदी अरब व पाकिस्तान के बीच हुए समझौते का लक्ष्य भारत नहीं है, बल्कि इस उत्पत्ति का मुख्य कारण है, अमेरिका का आँख बंद करके इज़रायल का साथ देना, चाहे गाज़ा स्ट्रिप पर इज़रायल का हमला हो या 9 सितंबर 2025 को इज़रायल द्वारा बमबारी। अतः अब खाड़ी देश केवल अमेरिका पर अपनी सुरक्षा के लिए निर्भर नहीं रहना चाहते।

बाहर निकलना शुरू किया था। पर्यवेक्षकों का कहना है कि सऊदी-पाकिस्तानी समझौता इन्हीं दबावों को प्रदर्शित करता है। भारतीय अधिकारियों

ने, इस पर संयमित प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने दोहराया है कि सरकार को पहले से पता था कि ऐसा समझौता हो सकता है और अब उसके

राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर का अध्ययन किया जाएगा। भारतीय मीडिया ने बताया कि वातचीत के दौरान सऊदी अधिकारियों ने भारत को भरोसे ले रखा

था, यानी दिल्ली पूरी तरह अंधेरे में नहीं थी। राजनीतिक विश्लेषक इस समय को अमेरिका की पीछे हटने वाली भूमिका और मध्य पूर्व की उथल-पुथल से जोड़कर देखते हैं, न कि भारत के लिए किसी सीधी धमकी के रूप में। कुल मिलाकर, भारत अचानक चौंका नहीं और अधिकारियों ने सतर्क चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि वे देखेंगे कि यह समझौता उपमहाद्वीप और क्षेत्र की स्थिरता पर कैसा असर डालता है।

क्या इसमें कोई सुरक्षा गारंटी शामिल है? हाँ और नहीं। इस समझौते की मुख्य धारा कहती है कि एक पर हमला, दोनों पर हमला माना जाएगा।

यह मूल रूप से परस्पर रक्षा की प्रतिबद्धता है। इस नज़रिए से यह एक तरह की सुरक्षा गारंटी तो देता है, क्योंकि दोनों एक-दूसरे के खिलाफ किसी हमले को रोकने या जवाब देने का वादा करते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह मुख्यतः राजनीतिक और प्रतीकात्मक है। जारी किये गये बयानों में साझा रोकथाम और परामर्श पर जोर है, लेकिन इनमें यह स्पष्ट नहीं है कि किसी हमले की स्थिति में सऊदी या पाकिस्तान बिना शर्त फ़ौज भर्जेंगे ही। पर्यवेक्षक इसकी तुलना ‘‘नाटो के आर्टिकल 5’’ से करते हैं, क्योंकि इसमें साझेदार को परस्पर समर्थन का वचन तो दिया गया है लेकिन वास्तविक सैन्य कार्रवाई का फ़ैसला हालात देखकर किया जाएगा। पाकिस्तान के पहले के शीतयुद्ध कालीन अमेरिका के साथ रक्षा समझौते भी स्वतः (ऑटोमैटिक) हस्तक्षेप की गारंटी नहीं देते थे।

प्रदेश में अपराध नियंत्रण और शान्ति व्यवस्था हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने की आर.पी.ए. में नया प्रशिक्षण भवन बनाने की घोषणा

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पुलिस में प्रशिक्षण से कानून की जानकारी के साथ ही आपसी संवाद, सहयोग और टीम भावना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि यही बुनियादी प्रशिक्षण पुलिस के चरित्र और व्यक्तित्व को आकार देकर उन्हें एक आदर्श अधिकारी बनाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध नियंत्रण और शान्ति व्यवस्था बनाए रखना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। आगामी समय में इस व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। शर्मा शुक्रवार को राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर में राजस्थान पुलिस सेवा (प्रशिक्षु) के 55वें बैच के प्रशिक्षणार्थियों के दीक्षान्त परेड समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने बैच के 76 प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए कहा कि मेहनत, लगन और कड़ी तपस्या से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। श्री शर्मा ने इस अवसर पर पुलिस कार्मिकों को बेहतर प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान पुलिस अकादमी में नया प्रशिक्षण भवन बनाने की घोषणा की। इससे साइबर अपराध, आर्थिक मामलों से सम्बन्धित अपराध इत्यादि के सम्बन्ध में पुलिस को बेहतर प्रशिक्षण, तकनीकी संसाधन एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के लिए महिला सशक्तिकरण सर्वोच्च प्राथमिकता है। राजस्थान पुलिस में महिलाओं की लगातार



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को आर.पी.एस. के 55वें बैच के दीक्षान्त समारोह में परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली।

बढ़ती भागीदारी इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने कहा कि आज के 76 प्रशिक्षु अधिकारियों में 20 महिला अधिकारी शामिल होना अत्यंत गर्व की बात है। महिला पुलिस अधिकारी से महिलाएं अपनी समस्याएं बेझिझक बताती हैं। ये महिला अधिकारी न केवल पुलिस बल का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, बल्कि समाज की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत भी हैं।

शर्मा ने कहा कि वर्तमान में अपराध का स्वरूप लगातार बदल रहा है। संगठित अपराध, साइबर अपराध और डिजिटल युग की नई-नई चुनौतियों से लड़ने के लिए पुलिस को

निरंतर सजग, अपडेट और प्रशिक्षित रहना होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस के लिए पारंपरिक पुलिसिंग के साथ ही तकनीकी कुशलता, साइबर सिक्योरिटी की जानकारी और डिजिटल फॉरेंसिक की समझ भी महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस के लिए ईमानदारी सबसे शक्तिशाली हथियार है। पुलिस को किसी भी तरह के दबाव में ना आकर सदैव धैर्य और संयम से काम लेना चाहिए। उन्होंने पुलिस के लिए टीम वर्क पर जोर देते हुए कहा कि पुलिसिंग एक टीम का काम है। जब हम साथियों के साथ

मिलकर काम करते हैं, तो हमारी शक्ति कई गुना बढ़ जाती है। आपसी भाईचारा और विश्वास से ही हम प्रत्येक चुनौती का आसानी से सामना कर सकते हैं।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में अनेक ठोस कदम उठाए गए हैं। प्रदेश में अपराध का ग्राफ लगातार गिर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 से अब तक अपराधों में 19.45 प्रतिशत की कमी आई है। अनुसूचित जाति अत्याचार में 17.80 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति अत्याचार के मामलों में

■ **प्रशिक्षु आर.पी.एस. के 55वें बैच का दीक्षान्त समारोह आयोजित**

■ **अपराध के बदलते स्वरूप में पुलिस रहे सजग एवं अपडेट : भजनलाल शर्मा**

18.77 प्रतिशत की गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि महिला अत्याचार के मामलों में भी 9.24 प्रतिशत की कमी आई है।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान पुलिस प्रदेश में कानून व्यवस्था को चाक-चौबंद रख न्याय व्यवस्था को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नवीन चुनौतियों का सामना करने के लिए निरंतर तकनीकी नवाचार, त्वरित अनुसंधान एवं कार्यकुशलता का अग्रगण्य कदम है। शर्मा ने इस अवसर पर राजस्थान पुलिस सेवा (प्रशिक्षु) के 55वें बैच के उत्कृष्ट प्रशिक्षणार्थियों को पुरस्कृत किया तथा सामूहिक फोटो खिंचवाया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने दीक्षान्त परेड का निरीक्षण किया तथा परेड की सलामी ली। इस दौरान गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेदम, सांसद मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, मुख्य सचिव सुधांशु पंत तथा निदेशक आरपीए एस. सेंगाथर सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

देबाशीष पृष्ठि ने किया हाऊसिंग बोर्ड के शिविर का निरीक्षण

प्रमुख शासन सचिव ने शहरी सेवा शिविर में आमजन से लिया फीडबैक

जयपुर (कासं)। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं आवासन मण्डल अध्यक्ष देबाशीष पृष्ठि ने शहरी सेवा शिविर 2025 के तहत शुक्रवार को आवासन मण्डल के वृत्त-तृतीय, जयपुर कार्यालय में संचालित शिविर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को शिविर में आ रहे आमजन के लिए माकूल व्यवस्था करने के निर्देश दिए साथ ही आमजन के साथ संवाद करते हुए फीडबैक भी लिया। शिविर में आए हुए कई लाभार्थियों ने व्यवस्थाओं की सराहा तथा समस्याओं के तत्काल निस्तारण पर राज्य सरकार को धन्यवाद भी दिया। मण्डल अध्यक्ष द्वारा आर्वाटियों को त्वरित राहत प्रदान करने के विभिन्न कार्यों का एवं मण्डल द्वारा जारी किये जा रहे प्रपत्रों का अवलोकन भी किया गया। इस दौरान पृष्ठि ने शिविर में लाभान्वित विभिन्न आर्वाटियों को अदेय प्रमाण पत्र, पंजीजन प्रपत्र इत्यादि वितरित किये गये।



आवासन एवं नगरीय विकास के प्रमुख शासन सचिव एवं आवासन मण्डल अध्यक्ष देबाशीष पृष्ठि ने शुक्रवार को आवासन मण्डल के वृत्त-तृतीय, जयपुर कार्यालय में संचालित शिविर का निरीक्षण किया।

आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया की मण्डल द्वारा आयोजित शिविरों में अब तक कुल 316 प्रकरणों का निस्तारण किया जा चुका है। शेष प्रकरणों का निस्तारण भी जल्द से जल्द करने के लिए कार्यवाही शुरू की जा चुकी है। राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा शिविरों में आवासीय योजनाओं,

भवन निर्माण अनुमति, लीज कन्वर्जन, नामान्तरण, बकाया निस्तारण सहित अन्य सेवाओं से संबंधित समस्याओं का समाधान हाथों हाथ किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सचिव गोपाल सिंह, मुख्य अभियंता प्रथम अमित अग्रवाल, प्रतीक श्रीवास्तव सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

बिजली कंपनी के इंजीनियरों को नगरीय विकास विभाग में नियुक्ति देने पर हाईकोर्ट ने जवाब मांगा

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने बिजली कंपनी के इंजीनियरों को नगरीय विकास विभाग में नियुक्ति देने पर हाईकोर्ट ने यूडीएच सचिव व पांच बिजली कंपनियों के एम.डी. और अफसरों से जवाब देने के लिए कहा है। अदालत ने इनसे पूछा है कि बिजली कंपनियों के इंजीनियरों को यूडीएच में नियुक्ति क्यों दी गई है। जस्टिस एसपी शर्मा व जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह निर्देश पब्लिक अरोस्ट करणन संस्था की जनहित याचिका पर दिया। मामले से जुड़े अधिवक्ता पीसी भंडारी व टीएन शर्मा ने बताया कि प्रदेश की पांच बिजली कंपनियों ने जेईएन की भर्ती की थी। लेकिन बाद में इन इंजीनियरों को यूडीएच विभाग में भेज

■ **मामले से जुड़े अधिवक्ता पीसी भंडारी व टीएन शर्मा ने बताया कि प्रदेश की 5 बिजली कंपनियों ने जे.ई.एन. की भर्ती की थी, परंतु बाद में इन इंजीनियरों को यूडीएच में भेज दिया गया। जबकि ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। ये नियुक्तियां राजस्थान सेवा नियम व आरएपीएसएआर एक्ट का उल्लंघन हैं।**

दिया। जबकि ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। वहीं ये नियुक्तियां राजस्थान सेवा नियम व आरएपीएसएआर एक्ट का उल्लंघन है। केवल सरप्लस होने पर ही एक निगम से दूसरे निगम में नियुक्ति का नियम है। लेकिन ऐसा कोई प्रावधान,नियम या एक्ट नहीं है जिसमें किसी निगम या बोर्ड से सीधे ही सरकार में नियुक्ति दी जा सके। वहीं नगरीय विकास विभाग में इनकी नियुक्ति में

जिन नियमों का उल्लेख किया है उनके अनुसार इनको यूडीएच में समाहित नहीं कर सकते। ऐसे में ये नियुक्तियां पिछले दवाबों से दी हैं और इनमें नियमों का पालन नहीं किया है। अदालत ने मामले में सुनवाई करते हुए संबंधित पक्षकारों से जवाब मांगा और राज्य सरकार से पूछा है कि इन अफसरों को किन नियमों से बिजली कंपनी से यूडीएच में समाहित किया गया है।

रिलायंस रिटेल मार्ट पर 100 किलो एक्सपायरी सामग्री जब्त

जयपुर । सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम ने प्रताप नगर स्थित मैसर्स रिलायंस रिटेल स्टोर से लगभग 100 किलो अवधिपार खाद्य सामग्री जब्त कर नष्ट करवाई है। यह कार्रवाई शुद्ध के लिए युद्ध अभियान में हुई।

पुलिस कमिश्नर के पास पहुंचे ग्रामीण तब दर्ज हुई भू-माफियाओं के खिलाफ एफ.आई.आर.

बस्सी क्षेत्र में भू-माफियाओं के आतंक और अवैध कब्जों की शिकायत लेकर पहुंचे थे लोग

जयपुर (कासं)। बस्सी क्षेत्र में भू-माफियाओं के बढ़ते आतंक और अवैध कब्जों से त्रस्त ग्रामीणों ने आखिरकार पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ से मुलाकात कर ज़ापन सौंपा और न्याय की गुहार लगाई। इस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए कमिश्नर ने एसीपी बस्सी को भू-माफियाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए।

प्रभावित ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिनों से सक्रिय भूमाफिया गिरोह उनकी वैध रूप से खरीदी गई दुकानों और भूखंडों पर जबरन कब्जा कर रहा है। भू-माफियाओं ने बारडौलीवाल तोड़कर व पक्के निर्माण को ध्वस्त कर भूखंडधारियों को जान से मारने की धमकियां दीं।

पीडित सतीश सोनी ने बताया कि आरोपी उनकी दुकानें तोड़कर मलबा तक ट्रैक्टर-ट्रालियों में भरकर ले गए ताकि दुकान का सबूत भी मिटाया जा सके। वहीं, रामदयाल जोगी ने कहा कि वे 20 वर्षों से अपने मकान में रह रहे हैं, बिजली का कनेक्शन भी है, इसके बावजूद लगातार मकान खाली करने और जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आरोपियों ने कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर गैरकानूनी कब्जे किए और दुकानों व भूखंडों को नुकसान पहुंचाया।

उल्लेखनीय है कि गोनेर रोड स्थित सिमरन वाटिका में वर्ष 2005 में भूमि विक्रय हुई थी। इसके बाद से लोगों ने मूल खातेदारों से भूखंड खरीदकर कॉलोनियों विकसित की और निर्माण कार्य किया।



बस्सी क्षेत्र में भू-माफियाओं की शिकायत लेकर स्थानीय ग्रामीण पुलिस के पास पहुंचे।

पीडितों का कहना है कि इस कॉलोनी में 20 से अधिक लोगों ने भूखंड और दुकानें खरीदी हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पुलिस दोषियों की गिरफ्तारी कर उचित कार्रवाई नहीं करती तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे।

पुलिस कमिश्नर के हस्तक्षेप के बाद ग्रामीणों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई। इसमें रामबाबू शर्मा, कमल कुमार शर्मा, मुकेश मोना और बाबूलाल मोना समेत कई लोगों पर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमीन हड़पने और मारपीट कर डराने-धमकाने का आरोप है। पूर्व में एफआईआर दर्ज नहीं करने पर पीडित ने एसीपी विनय डी.एच. से भी शिकायत की

थी। इसके बाद एसीपी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और भू-माफियाओं की अवैध गतिविधियों को तुरंत रोकने के निर्देश दिए थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पूर्व विधायक प्रत्याशी चन्द्रमोहन मीना ने भी पीडितों से फोन पर बात कर हर संभव मदद और न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। वहीं, वरिष्ठ अधिवक्ता अमरीश शर्मा ने बताया कि पीडितों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों को कोर्ट में पेश कर दावा किया जाएगा। उन्होंने भू-माफियाओं द्वारा अवैध कब्जों को गलत ठहराते हुए पीडितों को हरसंभव न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया।

पुत्र से जुड़े मामले में उडीसा के पूर्व डीजी विद्याभूषण मोहंती दोष मुक्त

जयपुर (कासं)। सेन्ट्रल जेल जयपुर में सजायापात्र पुत्र को 18 साल पहले 20 नवम्बर, 2006 को फेराल पर छुड़ाने के बाद फरार कराने तथा पकड़ने गई वैशाली नगर-जयपुर पुलिस की कार्रवाई में बाधा पहुंचाने के मामले में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, क्रम संख्या-04, मेट्रो-द्वितीय ने आरोपी रहे उडीसा के पूर्व महा निदेशक होमगार्ड 75 वर्षीय विद्याभूषण मोहंती को दोषमुक्त कर दिया है। इस संबंध में तत्कालीन कार्यवाहक जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल ने लाल कोठी पुलिस थाने में 10 जनवरी, 2007 को एफआईआर दर्ज करवाई थी। अनुसंधान पुलिस ने पूर्व आईपीएस विद्याभूषण मोहंती के खिलाफ अदालत ने 23 जनवरी, 2008 को चार्जशीट पेश की थी। विद्या भूषण मोहंती

की ओर से अदालत को बताया कि वह निदोष है। मामले में झूठा फंसाया गया है। पुत्र के पकड़े जाने, गिरफ्तार करने में कोई अड़चन व बाधा नहीं डाली और ना ही आश्रय दिया। बचाव पक्ष की ओर से यह भी कहा गया कि परिवारिया जेल अधीक्षक की ओर से पेश की रिपोर्ट की अन्य गवाहों ने तईद नहीं की है। पुत्र को फेराल पर छुड़ाकर फरार कराने के गलत आरोप लगाए हैं। अभियोजन पक्ष मामले में सिलप्ट होने की लेशमात्र भी साक्ष्य पेश नहीं की है। ऐसे में दोषमुक्त घोषित किया जाए। गौरतलब है कि पूर्व डीजी होमगार्ड विद्याभूषण मोहंती के पुत्र को बीटीहीरा मोहंती को 2004 में अलवर में हुए दुर्कर्म के अपराध में 07 साल की सजा हुई थी और जयपुर जेल में बंद था।

2 क्विंटल डोडा-चूरा तस्करी में लिप्त दंपति व बेटा गिरफ्तार

जयपुर । आतंकवाद निरोधक दस्ता राजस्थान जयपुर (एटीएस) टीम ने कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ की सप्लाई का काम करने वाले इनामी शाहिर तस्करी को उसकी पत्नी और बेटे सहित गिरफ्तार किया है। जिस के चलते इन पर पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं की ओर से आरोपित पर बीस हजार का इनाम रखा हुआ था। एटीएस की टीम ने दो माह तक इन पर नजर रखी जिस के बाद इनकी गिरफ्तारी की । एटीएस पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) विकास कुमार ने बताया कि एटीएम टीम ने सीकर जिले से वर्ष 2024 में करीब 2 क्विंटल डोडा चूरा के तस्करी के मामले में फरार शेखावाट कॉलोनी चूरू निवासी आरिफ हुसैन,उसकी पत्नी शहनाज बानो सहित बेटे जाबिद को एटीएस की टीम ने झुंझुनू जिले के बिसाऊ पुलिस थाना के पास से पकड़ा है। गिरफ्तार इनामी तस्करी

आरिफ हुसैन अपने बेटे जाबिद के नाम से रजिस्टर्ड ट्रक (कंटेनर) से मादक पदार्थ डोडा चूरा की तस्करी में लिप्त होने पर फरार चल रहा था। आरिफ हुसैन कम पछा लिखा होने के कारण अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए कम समय में ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाना चाहता था। मादक पदार्थों की तस्करी की काली कमाई से अपनी पत्नी शहनाज बानो के नाम से इनेवा गाडी व बेटे जाबिद के नाम से ट्रक (कंटेनर) खरीदे। मादक पदार्थ तस्करी में फरार आरिफ हुसैन की पत्नी शहनाज बानो व बेटा जाबिद भी फरार चल रहे थे। इनामी आरिफ हुसैन अपनी पत्नी और बेटे के साथ सीकर में किराए का मकान लेकर मजदूरी करने की जानकारी पुलिस टीम को मिली। पिछले दो महीने से एटीएस की टीम सीकर में आरिफ के किराए के घर की पहचान करने के लिए जुटी हुई थी।

टैक्स चोरी पर ट्रान्सपोर्टर्स के 6 गोदाम सील, 17 वाहन जब्त

जयपुर । राज्य के मुख्य कर आयुक्त कुमार पाल गौतम के निर्देशन में प्रवर्तन शाखा की 9 टीमों को गोपनीय रूप से राज्य के विभिन्न राजमार्गों पर तैनात किया गया। जहाँ से टेकिनकल सर्विलांस के द्वारा बिना ई वे बिल और बिना वैध दस्तावेजों के माल परिवहनित करने वाले 17 वाहनो को जब्त किया गया है। गत सोमवार को जयपुर के 6 प्रमुख ट्रान्सपोर्ट कंपनियों के गोदामों में एक साथ कार्यवाही कर बड़ी कर चोरी उजागर की है। गिल संघु ट्रान्सपोर्ट, जडिया ट्रान्सपोर्ट, क्रियाशक्ति, सुनील ट्रान्सपोर्ट और पीसीएम कार्गो के ये गोदाम जयपुर के वी.के.आई.एरिया तथा ट्रान्सपोर्ट नगर में स्थित है। इन गोदामों से भारी मात्र में रेडीमेड, ड्राई फ्रूट, इलेक्ट्रिक आईएम आदि के 1 हजार 960 नमू जम्ब किए हैं। जिनका आर्थिक आकलन किए जाने पर इन्का बाज़ार मूल्य करोड़ों रूपये पाया गया है। यह माल राज्य के बाहर से बिना कर चुकाए राज्य में लाया जा रहा था।

राजेश्वर सिंह ने राज्य निर्वाचन आयुक्त का पदभार ग्रहण किया

जयपुर (कासं)। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1989 बैच के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं पूर्व राजस्व मण्डल अध्यक्ष राजेश्वर सिंह ने आज राज्य निर्वाचन आयुक्त का पदभार ग्रहण कर लिया है। सिंह के राज्य निर्वाचन आयोग पहुंचने पर आयोग की मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं सचिव नलिनी कठोटिया एवं अन्य अधिकारियों ने उनका पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया ।

इस अवसर पर राजेश्वर सिंह ने कहा कि राज्य में पंचायती राज संस्थाओं एवं नगरीय निकायों के चुनाव संवैधानिक एवं वैधानिक प्रावधानों एवम विभिन्न न्यायिक निर्णयों के अनुसरण में पूर्णतया वैधानिकता,निष्पक्षता, तटस्थता,तुटिहीनता एवं पारदर्शिता के आधार पर संपन्न कराया जाना सुनिश्चित किया जाएगा ।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि समस्त जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उनके अधीनस्थ अधिकारी व कर्मचारी आयोग की मंशा के अनुरूप पूर्ण निष्पक्षता व तटस्थता का परिचय देंगे तथा वैधानिक प्रवधानों की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जाएगी ।

उल्लेखनीय है कि राजेश्वर सिंह को जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, जालौर एवं जयपुर तथा संभागीय आयुक्त, उदयपुर, भरतपुर व जयपुर के रूप में चुनाव कार्य के प्रबन्धन व पर्यवेक्षण का विस्तृत एवं व्यापक अनुभव है । इसके अलावा वे अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण



राज्य मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह

विकास एवं पंचायती राज विभाग तथा महा निदेशक,इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान के रूप में पंचायती राज प्रशासन एवं प्रशिक्षण से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े रहे हैं।

परकोटे में दो जर्जर भवन ध्वस्त, दो बिल्डिंग सीज

सुभाष चौक में पुनः जर्जर इमारत गिरने के बाद हैरिटेज निगम की सख्ती

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। सुभाष चौक इलाके में पुनः जर्जर इमारत गिरने के बाद हैरिटेज निगम प्रशासन हरकत में आया है। शुक्रवार को किशनपोल जोन ने परकोटे में दो भवनों के जर्जर हिस्से को ध्वस्त कर दिया, वहीं दो अन्य भवन को खाली करवाकर सीज किया है।

किशनपोल जोन उपायुक्त दिलीप भंभानी ने बताया कि जोन कार्यालय की ओर से जर्जर भवनों के निरीक्षण के लिए बनी कमेटी की 14 जर्जर भवनों की रिपोर्ट रैफर की गई थी, जिनमें 7 को पिछले सप्ताह ध्वस्त किया था, शुक्रवार को दो और भवन के जर्जर हिस्से को इंजीनियरिंग विंग की मदद से ध्वस्त कर दिया। इस दौरान सतर्कता शाखा की टीम भी मौजूद रहे। लोहा मंडी नाटाणी के रास्ते में एक अन्य जर्जर भवन के नीचे संचालित गोदामों को अस्थायी रूप से सीज गोदाम संचालक को मरम्मत कराने के लिए पाबंद किया है।

वहीं, हवामहल आमेर जोन उपायुक्त सीमा चौधरी ने आमेर इलाके में 11 जर्जर भवन का निरीक्षण किया और संचालित खतरों को देखते हुए मकान में रहने वाले लोगों को तुरंत मकान खाली कर



हैरिटेज नगर निगम के किशनपोल जोन की टीम ने इलाके में जर्जर इमारतों को शुक्रवार को ध्वस्त किया।

मरम्मत कराने के लिए निर्देश दिए। वहीं जर्जर भवन को सीज किया। इस दौरान जोन उपायुक्त ने भवन मालिक से शपथ पत्र लेकर भवन के जर्जर

हिस्से को तुरंत ध्वस्त करने या मरम्मत करने के निर्देश दिए। इसके अलावा हैरिटेज निगम की सतर्कता विंग ने बीते दो दिनों में

■ **सतर्कता विंग ने चारदीवारी के बरामदों और सड़कों से अवैध अतिक्रमण हटाकर 21 टुक सामान जब्त किया**

परकोटे में आम रास्ते और बरामदों से अवैध अतिक्रमण हटाकर 21 टुक सामान जब्त किया है। साथ ही 18 हजार रुपए का चालान भी काटा गया। सतर्कता उपायुक्त पुर्णेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि परकोटे में अस्थायी अतिक्रमण की शिकायतें लगातार मिल रही थी। ऐसे में सतर्कता शाखा को निर्देश देकर सड़क और बरामदे पर किए जा रहे अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जिसमें पुलिस निरीक्षक श्रीमोहन मीणा ने नेतृत्व में विशेष टीम गठन पर राजस्व निरीक्षक जगदीश सरघना ने अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की।

इस दौरान गलियों में भी अतिक्रमण कर रहे थड़ी ठेलो को जब्त किया गया। दो दिन में कुल 21 टुक सामान जब्त किया है, साथ ही 13 हजार रुपए परिवहन शुल्क लिया।

</

कैबिनेट ने स्पोर्ट्स युनिवर्सिटी, मैडिकल कॉलेज फीस व पारितोषिक पेंशन पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए

जयपुर, 19 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में आमजन से जुड़े कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने प्रेसवार्ता में इन निर्णयों की जानकारी दी। बैठक में खेलों को प्रोत्साहित करने, एनआरआई मेडिकल छात्रों के लिए फीस सुधार, दिवंगत कर्मिकों के आश्रितों की पेंशन प्रणाली में सुधार, सौर ऊर्जा को बढ़ावा और सेवा नियमों में बदलाव जैसे कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

राज्य में खेल प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निखारने के लिए कैबिनेट ने “महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी जयपुर विधेयक-2025”

मुख्यमंत्री भजनलाल की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल बैठक में युवाओं, ऊर्जा व पर्यटन विभाग पर ध्यान दिया गया



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

के प्रारूप को मंजूरी दी। यह विश्वविद्यालय खेल विज्ञान, टेक्नोलॉजी

और परफॉर्मेंस एनालिटिक्स में उच्च स्तरीय शोध को बढ़ावा देगा। यह संस्थान हाई परफॉर्मेंस ट्रेनिंग सेंटर के रूप में और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करेगा।

राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसाइटी (राजमेस) द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेजों में एनआरआई कोटा सीटों की फीस को तर्कसंगत बनाते हुए संशोधन किया गया है। अब एनआरआई कोटा की फीस मैनेजमेंट कोटा की फीस का 2.5 गुना होगी, जो औसतन 23.93 लाख प्रति वर्ष तक की गई है।

कैबिनेट ने राजस्थान सिविल सेवा

(पेंशन) नियम-1996 में संशोधन करते हुए दिवंगत सरकारी कर्मचारी के माता-पिता को भी अब 50 प्रतिशत तक पारिवारिक पेंशन देने का प्रावधान किया है। साथ ही, अब मानसिक या शारीरिक रूप से दिव्यांग संतान को विवाह के बाद भी पारिवारिक पेंशन प्राप्त हो सकेगी।

बैठक में 5,200 मेगावॉट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए सशर्त कीमत पर भूमि आवंटन की स्वीकृति भी दी गई। राज्य सरकार ने राजस्थान पर्यटन सेवा नियम, 1976 और राजस्थान पुरातत्व एवं संग्रहालय सेवा नियम, 1960 में संशोधन को मंजूरी दी है।

चुनाव आयोग के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एनडीए नेताओं ने राहुल गांधी द्वारा जेन जैड को लोकतंत्र के रक्षक कहने की कोशिश को नेपाल, बांग्लादेश और कुछ साल पहले श्रीलंका जैसे देशों में हुए युवा आंदोलनों से जोड़ने की कोशिश बताया, जहाँ बड़े विरोध प्रदर्शनों के कारण सरकारों में बदलाव हुए थे।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री और भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी यह सब इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि अब जनता उन्हें या उनकी पार्टी को वोट नहीं देती। प्रसाद ने कहा, “राहुल गांधी भारत के लोकतंत्र को व्यवस्थित तरीके से कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। क्यों? क्योंकि जनता उन्हें वोट नहीं देती। इसलिए वे मोदी जी के 2014 के चुनाव कोनकली बता रहे हैं। वे 2019 के चुनाव को फर्जी बता रहे हैं। वे 2024 के चुनाव को भी फर्जी बता रहे हैं। सभी चुनावों को वोटों की धांधली से जीता हुआ बता रहे हैं। राहुल गांधी, कृपया भारत के मतदाताओं की लोकतांत्रिक पसंद का अपमान करना बंद कीजिए।”

बिहार की राजधानी पटना में बोलते हुए, प्रसाद ने कहा कि गांधी ने 2023 के कर्नाटक चुनाव में भी गड़बड़ी का आरोप

लगाया था, जिसमें उनकी पार्टी कांग्रेस को जीत मिली थी। उन्होंने कहा कि उस समय पूरी सरकारी मशीनरी कांग्रेस के अधीन थी, फिर भी वे दूसरों पर दोषारोपण कर रहे हैं। प्रसाद ने यह भी कहा कि उस समय ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त भी नहीं थे, फिर भी राहुल गांधी उन्हें कथित “वोट चोरी” के लिए निशाना बना रहे हैं।

उन्होंने कहा, “राहुल गांधी ने जिस चुनाव की बात की है, वह 2023 का कर्नाटक चुनाव है। उस चुनाव में कांग्रेस पार्टी जीती थी। उस समय, कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने खुद शिकायत दर्ज कराई थी, उस समय राज्य में कांग्रेस की सरकार थी, पुलिस, प्रशासन सभी उसके अधीन थे, फिर भी कुछ नहीं हुआ, तो अब इतना हो-हल्ला क्यों? आपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ज्ञानेश कुमार की तस्वीर दिखाई, वे तो इस साल आए हैं, तो 2023 के चुनाव से उनका क्या लेना-देना? झूठ बोलना, बिना प्रमाण आरोप लगाना और देश के सामने गलत तस्वीर पेश करना राहुल गांधी की आदत बन गई है।” प्रसाद ने गुरवार की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस सांसद द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को झूठा करार दिया।

उन्होंने कहा, “राहुल गांधी को क्या

हो गया है? वे आखिर कितने झूठ बोलेंगे? वे कितनी बातें तोड़-मरोड़ कर पेश करेंगे? मैं इससे भी सख्त शब्दों का प्रयोग कर सकता हूँ, लेकिन राहुल गांधी, यह मेरी संस्कृति नहीं है, न ही मेरी पार्टी की। लेकिन आप देश के लोकतंत्र के साथ विश्वासघात कर रहे हैं, 2023 से कर्नाटक में किसकी सरकार है? कांग्रेस की सरकार है, और सीआईडी उसके अधीन है, तो न वे होमवर्क करते हैं, न कुछ समझते हैं, वे झूठे आरोप लगा रहे हैं, तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं और यह उनकी प्रकृति बन चुकी है। राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता के पद की गरिमा को गिरा दिया है।” ज्ञातव्य है कि उन्होंने यह नहीं बताया कि कर्नाटक सीआईडी ने चुनाव आयोग से वोटरो के नाम हटाये जाने का विवरण माँगा है।

भाजपा सूत्रों ने बताया कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पार्टी और एनडीए नेताओं को राहुल गांधी पर आक्रामक हमला करने का निर्देश देने के बाद, उन पर यह तीव्र हमला शुरू हुआ है, क्योंकि “वोट चोरी” के खिलाफ राहुल गांधी का अभियान बिहार सहित देश के कई हिस्सों में लोगों के बीच पकड़ बना रहा है।

लोकसभाध्यक्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यदि वे एफ आई आर दर्ज करने की प्रक्रिया को रोकते हैं एक बार फिर से प्रभावित करते हैं या रोका गया, तो यह कोर्ट की अवमानना का मामला बन सकता है। यह जग जाहिर है कि राजीव दत्ता और ओम बिडला कोटा के दिनों से बेहद करीबी रहे हैं, और अब यह दोस्ती सबसे सामने आ गई है, क्योंकि बिडला खुद दत्ता को एफ आई आर से बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि वह हाई कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप नहीं करेगा, जिसका मतलब है कि राज्य सरकार और दत्ता दोनों को कोई राहत नहीं मिली है। अब यह स्थिति साफ इशारा करती है कि राजीव दत्ता के पास अपने पद से इस्तीफा देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है, क्योंकि यह एक संवेदनशील पद है। इसके साथ ही, जयपुर पुलिस एफ आई आर दर्ज करने से बचती आ रही है, जिससे यह भी संकेत मिलता है कि दत्ता ने राजस्थान के पुलिस महानिदेशक पर एफ आई आर दर्ज न करने के लिए दबाव डाला है। इस पूरे घटनाक्रम के मद्देनजर, ओम बिडला का सांलिस्टिटर जनरल से मिलने जाना खुद ही हालात साफ कर देता है।

ट्रंप के टैरिफ के “श्राप” ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अस्तित्व बचाने की रणनीति नहीं, बल्कि एक मजबूत बढ़त है। उसके मुनाफे सुरक्षित रहते हैं, निर्यात मात्रा स्थिर रहती है और अमेरिकी साझेदार आश्वस्त रहते हैं। इसके विपरीत, छोटे भारतीय निर्यातकों के पास ऐसा करने के लिए पर्याप्त पैमाना या सीमा-पार नेटवर्क नहीं है, इसलिए ये कमजोर व असुरक्षित बने रहते हैं। नतीजा है, संगठित आभूषण दिग्गजों और पारंपरिक खिलाड़ियों के बीच खाई बढ़ रही है।

गोलिडयम का यह कदम एक व्यापक वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा है, दुनिया भर के निर्यातक उद्योग की दीवारों से टकराने के बजाय उनके इर्द-गिर्द घूमना सीख रहे हैं। चीन की कंपनियों ने अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध के दौरान अपनी असेंबली लाइनों का मार्ग वियतनाम और मलेशिया की तरफ मोड़ दिया है। मैक्सिकन ऑटो सप्लायर लंबे समय से लागत और टैरिफ के असर को बेहतर तरीके से

- स्थापित ज्वैलर्स, जिनके पास अमेरिका में सोना खरीदने का सामर्थ्य व संगठन है, वो ही यह सारी कसरत कर सकते हैं। पर, छोटे-छोटे देशों के उभरते ज्वैलर्स के लिए यह सब करना असंभव नहीं तो कठिन तो है ही। अतः वे “इनोवेटिव” व सामर्थ्य पूर्ण भारतीय ज्वैलर्स की तुलना में टिक नहीं पायेंगे।
- अतः भारतीय ज्वलैर्स ने न केवल अपने माल को भारी टैरिफ (50 प्रतिशत) की मार से बचा लिया, बल्कि एक तरह से अमेरिका के ज्वैलरी के मार्केट में छोटे-मोटे सप्लायर्स की पहुँच को खत्म कर दिया व अपना एकाधिकार स्थापित कर लिया।

निर्यात करने के लिए उत्तरी अमेरिकी व्यापार ढाँचे का लाभ उठाते रहे हैं। यहाँ तक कि वियतनाम के गारमैंट एक्सपोर्टर भी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स के तहत ड्यूटी फ्री प्रावधानों का लाभ उठाकर सफल हो रहे हैं। इन सभी उदाहरणों को जो बात जोड़ती है, वह है सोच में बदलाव। टैरिफ, जो कभी संरक्षणवाद के भीथरे औजार माने जाते

थे, अब सप्टाई चैन डिजाइन में इनोवेशन (नवाचार) लाने वाले बन रहे हैं। वैश्विक पहुँच और कुशल रणनीतियों वाली कंपनियाँ अक्सर जोखिम को कम करने के लिए कानूनी रास्ते खोज लेती हैं, जबकि छोटे खिलाड़ी गति बनाए रखने के लिए संघर्ष करते हैं। भारत के आभूषण उद्योग के लिए सबक स्पष्ट है। अमेरिका इसका

सबसे बड़ा बाज़ार है और संरक्षणवादी कदम बार-बार उठते रहेंगे। व्यावसायिक मॉडलों को नए सिरे से ढालने की क्षमता, चाहे वह अमेरिका से प्राप्त सोने के माध्यम से हो, विदेशों में संयुक्त उद्यमों के माध्यम से हो, या डिजाइन और ब्रांडिंग की सीढ़ी पर आगे बढ़ने के माध्यम से हो, यह तय करेगी कि कौन फलता-फूलता है और कौन पीछे छूट जाएगा। 1986 में स्थापित गोलिडयम ने दिखाया है कि वह कैसे अनुकूलन कर सकता है और जीत सकता है। 50 प्रतिशत के दंडात्मक टैरिफ को एक प्रबंधनीय लागत (मैनेजेबल कॉस्ट) में बदलकर, इसने दुनिया के सबसे आकर्षक आभूषण बाज़ार में अपनी चमक बरकरार रखी है। इससे भी बढ़कर, इसने व्यापक रूप से भारतीय निर्यातकों के लिए एक मार्गदर्शिका प्रदान की है, व्यापार अनिश्चितता के नए युग में असली बात यह नहीं है कि आप क्या बेचते हैं, बल्कि यह है कि आप उसे बाज़ार तक पहुँचाने के लिए किस तरह का रास्ता अपनाते हैं।

‘आईबी के आग्रह पर मैं आतंकियों ...

- मलिक ने कहा, 2000 में देश में वाजपेयी सरकार के समय में सीबीआई के तत्कालीन स्पेशल डायरेक्टर अजीत डोभाल जेल में मुझ से मिलने आए थे, उन्होंने मुझे आईबी डायरेक्टर श्यामल दत्ता और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बृजेश मिश्रा से मिलवाया। वे चाहते थे कि मैं उनके रमजान सीज़फायर को सपोर्ट करूँ।
- मलिक ने कहा, नब्बे के दशक के बाद से लगातार 6 सरकारों (वी.पी. सिंह से लेकर मनमोहन सिंह तक) ने कश्मीर मसले के समाधान प्रक्रिया में मुझे शामिल किया था।
- यासीन मलिक ने यह हलफनामा एनआईए के आरोप पत्र के जवाब में दिया है। एनआईए ने आतंकवाद में भूमिका के लिए मलिक को मृत्युदंड देने की माँग की है।

मुझसे नई दिल्ली में मुलाकात की और मेरी रिहाई की सूचना दी। उन्होंने मेरी मुलाकात आईबी निदेशक श्यामल दत्ता और प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बृजेश मिश्रा से करवाई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कश्मीर मुद्दे पर वार्ता को लेकर गंभीर हैं और चाहते हैं कि मैं रमजान संघर्ष विराम का समर्थन करूँ।” मलिक ने दावा किया कि उन्होंने शांति प्रक्रिया में समर्थन पाने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और वामपंथी नेताओं (जो उस समय विपक्ष में थे) से भी मुलाकात की सरकार के दौरान भी उनकी भागीदारी थी, और उस समय के स्पेशल डायरेक्टर अजीत डोभाल ने उनसे जेल में मुलाकात की थी। मलिक ने बताया “अजीत कुमार डोभाल जी ने

नेतृत्व को संवाद प्रक्रिया में शामिल करना था। यह बेहद कठिन कार्य था, और मुझे हर गाँव, स्कूल और कॉलेज जाकर 1.5 मिलियन (15 लाख) हस्ताक्षर एकत्र करने में ढाई साल लगे। सन् 2004 में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद 2006 में पीएम मनमोहन सिंह ने उन्हें औपचारिक वार्ता के लिए आमंत्रित किया और कहा कि वे कश्मीर मसला हल करना चाहते हैं। मुलाकात के बाद मलिक अमेरिका गए और वहाँ स्टेट डिपार्टमेंट के अधिकारियों से मुलाकात की। हालाँकि, इसके बाद तत्कालीन पीएम को आलोचना का सामना करना पड़ा, जिसके बाद मलिक ने पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी को पत्र लिखा। मलिक ने यह भी कहा कि उन्हें केवल देश में नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर

कश्मीर मुद्दे पर बोलने के लिए सरकारों द्वारा प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने कहा, मुझे केवल घरेलू मंच ही नहीं, बल्कि बार-बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी कश्मीर के मुद्दे पर बोलने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया गया। मलिक ने कश्मीरी पंडितों के नरसंहार और सामूहिक बलात्कार में शामिल होने के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया। “ऐसे निराधार दावे हैं कि कश्मीरी पंडितों का पलायन मेरे द्वारा किए गए नरसंहार और सामूहिक हिंसा के कारण हुआ। अगर यह साबित हो जाए, तो मैं बिना किसी मुकदमे के खुद को फांसी पर लटकवा लूंगा और इतिहास में अपने नाम को एक अभिशाप के रूप में दर्ज करवाऊंगा।” दिल्ली हाई कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई नवंबर में निर्धारित है।

TRUE VALUE

60 लाख यात्राएँ, अनगिनत खुशियाँ आपके भरोसे का प्रतीक

CELEBRATING 60Lakh STORIES OF TRUST

376 क्वालिटी चेक पॉइंट्स

वेरिफाइड कार हिस्ट्री*

1 साल तक की वारंटी और 3 फ्री सर्विस*

*नियम और शर्तें लागू। Verified Car History और Warranty केवल True Value प्रमाणित कारों पर लागू। निःशुल्क सेवा केवल श्रम शुल्क पर लागू है। वाहन पर काला शीशा प्रकाश प्रभाव के कारण होता है। छवियों का इस्तेमाल केवल उदाहरण मात्र है।

यहाँ ऐप डाउनलोड करें।

पूछताछ के लिए कॉल करें 1800 102 1800 | या जाएँ यहाँ www.marutisuzukitruevalue.com

BIKANER: OPPOSITE BBS SCHOOL, JAIPUR ROAD, BIKANER, AURIC MOTORS PVT. LTD.: 8875911509, 8003098512 | NH-89 JAISALMER ROAD, BIKANER, DUDI MOTORS: 8306993375 | SIKAR- JAIPUR – JHUNJHUNU BYPASS, NEAR PIPRALI CHORAHA, SIKAR, JAMU AUTOMOBILES: 9694097851, 9694095757, 9887048515 | NEAR D.T.O OFFICE, JAIPUR ROAD, JHUNJHUNU, AURIC MOTORS PVT. LTD.: 7230003521, 7412059847, 7412087309.

TRUE VALUE CERTIFIED

राष्ट्रदूत (एचयूपएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वलन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुघर्मा एम.आई.रोड, जयपुर फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स: 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायन हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाउस, हनुमान हट्या, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रत भवन, दुर्गी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोरा फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्ड्रीनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्ड्रीनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600

● ● ● ● ●

⊕

● ● ● ● ●

⊕

● ● ● ● ●

⊕

● ● ● ● ●